भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3464
जिसका उत्तर मंगलवार 11 अगस्त, 2015 को दिया जाना है

भेल और रूस की कंपनी के बीच समझौता ज्ञापन

3464. श्री रवीन्द्र कुमार जेना:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भेल ने रूस की कंपनी आईएनटीएमए के साथ किसी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इससे सीआईएस देशों में भारत की उपस्थिति में सुधार होगा; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त करारों से वित्तीय लाभ मिलने की संभावना है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): जी, हां। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) और आईएनटीएमए के बीच कजाखस्तान और रूस में पारस्परिक हित की विद्युत परियोजनाएं शुरू करने के क्षेत्र में सहयोग के इरादे से 14 अप्रैल, 2015 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे।

(ग) और (घ): कजाखस्तान/रूस के बाजारों में इस समझौता ज्ञापन के कारण बीएचईएल और ऐसी परियोजनाओं को सामानों/सेवाओं की आपूर्ति करने वाले अन्य भारतीय वेंडर्स द्वारा प्राप्त किए गए विद्युत परियोजना आदेशों/अनुबंधों के सफल कार्यान्वयन से उन्हें सीआईएस देशों में प्रतिष्ठित होने में सहायता मिल सकती है। उपर्युक्त समझौता ज्ञापन के आधार पर हो सकने वाले वित्तीय लाभ को इस समय किसी भी प्रकार बताना संभव नहीं है।

******